6. 'अंधायुग' गीतिनाट्य (डॉ. धर्मवीर भारती) नाट्यकला के तत्वों की दृष्टि से सफल नाटक है। संक्षेप में सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. हिन्दी निबन्ध के उद्भव एवं विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

8. 'अशोक के फूल' निबन्ध की विशेषताएँ लिखिए।

9. ललित निबन्ध की विशेषताएँ बताते हुए डॉ. विद्यानिवास मिश्र की निबन्ध शैली पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. चन्द्रगुप्त नाटक में व्यक्त देश-प्रेम की भावना और राष्ट्रीय चेतना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

11. नाटक और रंगमंच के अन्तः सम्बन्ध को समझाते हुए स्पष्ट कीजिए कि रंगमंच के बिना नाटक अधूरा है।

12. हरिशंकर परसाई द्वारा लिखित 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' की व्यंग्य चेतना को समझाइए।

13. बालमुकुन्द गुप्त द्वारा लिखित 'एक दुराशा' निबन्ध की मूल भावना पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

MAHD–05

June – Examination 2023

M.A. (Final) Examination

HINDI

(नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ)

Paper : MAHD-05

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

   (i) प्रसार युग के किन्हीं **चार** नाटकों के नाम लिखिए।

   (ii) 'चन्द्रगुप्त' नाटक के आधार पर चन्द्रगुप्त की कोई **दो** विशेषताएँ बताइए।

(iii) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबन्ध की मूल संवेदना बताइए।

(iv) 'अंधा युग' नाटक की कथा का स्रोत क्या है ?

(v) 'भाभी' रेखाचित्र के लेखक का नाम बताइए।

(vi) हजारी प्रसाद द्विवेदी के **दो** निबन्ध संग्रहों के नाम लिखिए।

(vii) "मैं वास्तव में कौन हूँ ? यह एक ऐसा सवाल है जिसका सामना करना इधर आकर मैंने छोड़ दिया है।" 'आधे अधूरे' नाटक में यह कथन किसका है ?

(viii) 'काव्य में लोकमंगल की साधना' निबन्ध किसका है और इसकी मूल संवेदना क्या है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

भूमा का सुख और उसकी महत्ता का जिसको आभास मात्र हो जाता है, उसको ये नश्वर चमकीले प्रदर्शन अभिभूत नहीं कर सकते, दूत ! वह किसी बलवान की इच्छा का क्रीड़ा-कंदुक नहीं बन सकता— तुम्हारा राजा अभी झेलम भी पार नहीं कर सका, फिर भी जगत् विजेता की उपाधि लेकर जगत को वंचित करता है। मैं लोभ से, सम्मान से या भय से किसी के पास नहीं जा सकता।

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

तुम्हारे लिए जीने का मतलब रहा है— कितना कुछ एक साथ होकर, कितना कुछ एक साथ पाकर और कितना कुछ एक साथ ओढ़कर जीना। वह उतना कुछ कभी तुम्हें किसी एक जगह न मिल पाता, इसीलिए जिस-किसी के साथ भी ज़िन्दगी शुरू करतीं, तुम हमेशा इतनी खाली, इतनी ही बेचैन बनी रहतीं। वह आदमी भी इसी तरह तुम्हें अपने आस-पास सिर पकड़ता और कपड़े फाड़ता नजर आता ..... और तुम .....।

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

साधनावस्था या प्रत्यक्षपक्ष को ग्रहण करने वाले कुछ ऐसे कवि भी होते हैं, जिनका मन सिद्धावस्था या उपभोग पक्ष की ओर नहीं जाता, जैसे भूषण। इसी प्रकार कुछ कवि या भावुक आनन्द को केवल सिद्धस्वरूप या उपभोग पक्ष में ही अपनी वृत्ति रमा सकते हैं। उनका मन सदा सुख-सौन्दर्यमय, माधुर्य, दीप्ति, उल्लास, प्रेम-क्रीड़ा इत्यादि के प्राचुर्य ही की भावना में लगता है। इसी प्रकार की भावना या कल्पना उन्हें कला-क्षेत्र के भीतर समझ पड़ती है।

5. मोहन राकेश के नाटक 'आधे-अधूरे' में मध्यवर्गीय पारिवारिक जीवन के घुटन-अवसाद व टूटन को अभिव्यक्त करते हुए आधुनिक जीवन की विसंगतियों पर प्रकाश डाला गया है। विवेचन कीजिए।